*The Eternal Epic of Divine Mother*

# दुर्गा सप्तशती

# DURGA SAPTASHATI

## Chapter 6: The Slaying of Dhumralochana

## अध्याय ६: धूम्रलोचन-वध

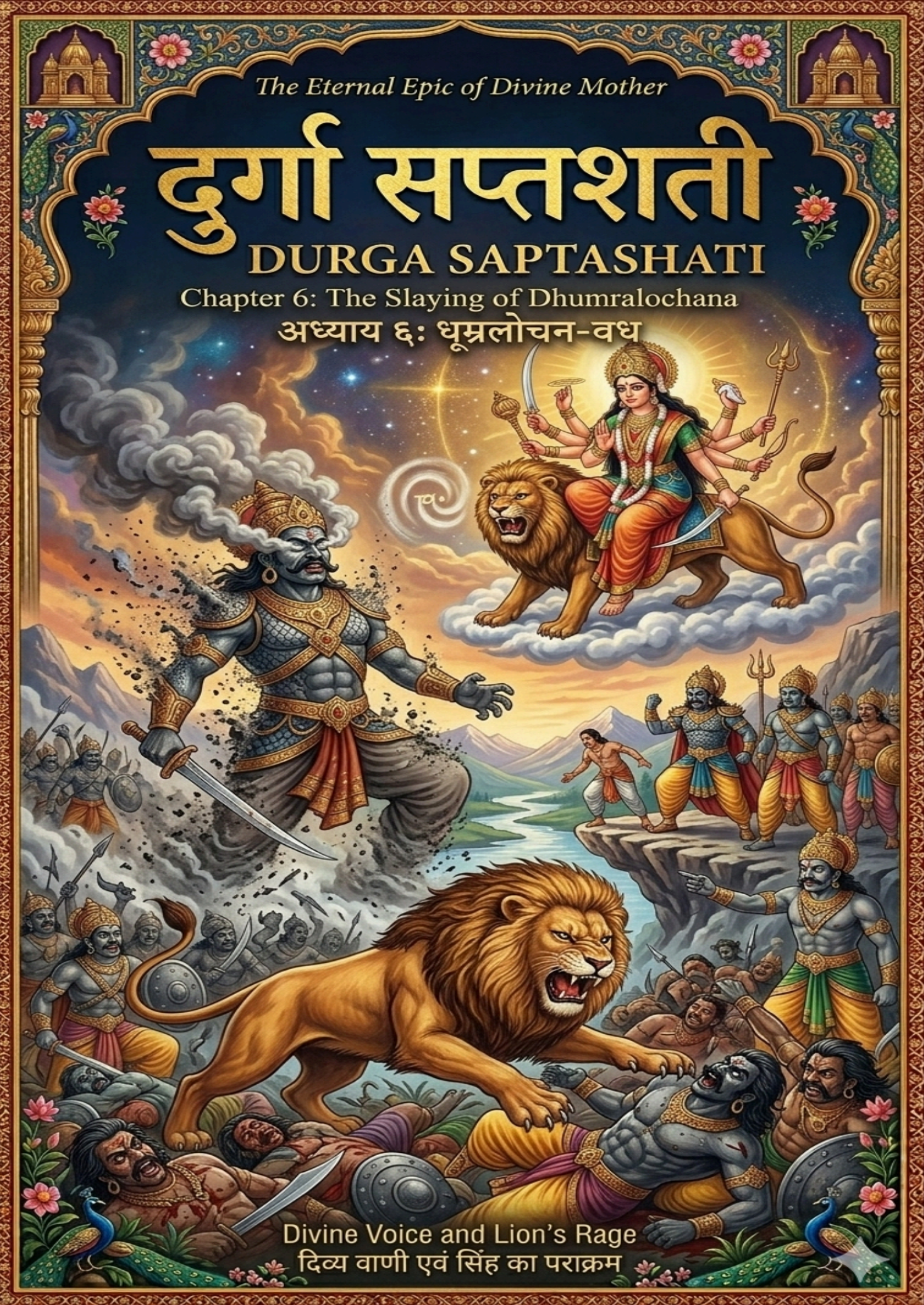

Divine Voice and Lion's Rage

दिव्य वाणी एवं सिंह का पराक्रम

**Durga Saptashati**

|| 'षष्ठ अध्याय' ||

—

Numerology By Nehaa

Connect on WhatsApp for Consultation: 8802673153

## दुर्गा सप्तशती: षष्ठ अध्याय (धूम्रलोचन-वध)

यह अध्याय देवी माहात्म्य में धूम्रलोचन दैत्य के वध का वर्णन करता है।

शुम्भ के दूत द्वारा देवी का सन्देश विस्तार से सुनाए जाने पर दैत्यराज अत्यन्त क्रुद्ध हुआ। उसने दैत्यसेनापति धूम्रलोचन को साठ हज़ार असुरों की सेना के साथ भेजा और आज्ञा दी कि वह देवी को बलपूर्वक पकड़कर लाए, और यदि कोई उनकी रक्षा करने आए तो उसे मार दे।

धूम्रलोचन सेना सहित हिमालय पर देवी के पास पहुँचा और उन्हें शुम्भ-निशुम्भ के पास चलने को कहा, अन्यथा बलपूर्वक घसीटकर ले जाने की धमकी दी। देवी ने विनम्रतापूर्वक कहा कि इतनी विशाल सेना के सामने वह उनका क्या कर सकती हैं, जिससे धूम्रलोचन उनकी ओर दौड़ा।

देवी अम्बिका ने केवल 'हुं' शब्द के उच्चारण मात्र से धूम्रलोचन को भस्म कर दिया। इसके बाद, क्रोधित हुई असुर सेना ने देवी और उनके वाहन सिंह पर तीखे बाणों, शक्तियों और फरसों की वर्षा की।

देवी के वाहन, महाबली सिंह ने क्रोध में भरकर भयंकर गर्जना की और अकेले ही उस विशाल असुर सेना में कूद पड़ा। उसने अपने पंजे, जबड़े, दाँत और थप्पड़ों से क्षणभर में सारी सेना का संहार कर डाला।

जब शुम्भ ने धूम्रलोचन के मारे जाने और उसकी सारी सेना के नष्ट हो जाने का समाचार सुना, तो वह अत्यन्त क्रुद्ध हुआ और उसने चण्ड और मुण्ड नामक दो महादैत्यों को विशाल सेना के साथ देवी को बाँधकर लाने अथवा युद्ध में मारकर आने की आज्ञा दी।

# Durga Saptashati
# || 'षष्ठ अध्याय' ||

## Chapter 6 :

धूम्रलोचन-वध

**॥ ध्यान ॥**

मैं सर्वज्ञेश्वर भैरवके अंक में निवास करनेवाली परमोत्कृष्ट पद्मावती देवी का चिन्तन करता (करती) हूँ। वे नागराजके आसनपर बैठी हैं, नागोंके फणोंमें सुशोभित होनेवाली मणियोंकी विशाल मालासे उनकी देहलता उद्भासित हो रही है। सूर्यके समान उनका तेज है, तीन नेत्र उनकी शोभा बढ़ा रहे हैं। वे हाथों में माला, कुम्भ, कपाल और कमल लिये हुए हैं तथा उनके मस्तकमें अर्धचन्द्रका मुकुट सुशोभित है।

**ऋषि कहते हैं -॥**देवीका यह कथन सुनकर दूतको बड़ा अमर्ष हुआ और उसने दैत्यराजके पास जाकर सब समाचार विस्तारपूर्वक कह सुनाया॥

दूतके उस वचनको सुनकर दैत्यराज कुपित हो उठा और दैत्यसेनापति धूम्रलोचन से बोला॥ 'धूम्रलोचन! तुम शीघ्र अपनी सेना साथ लेकर जाओ और उस दुष्टाके केश पकड़कर घसीटते हुए उसे बलपूर्वक यहाँ ले आओ॥

उसकी रक्षा करनेके लिये यदि कोई दूसरा खड़ा हो तो वह देवता, यक्ष अथवा गन्धर्व ही क्यों न हो, उसे अवश्य मार डालना'॥

**ऋषि कहते हैं -॥** शुम्भके इस प्रकार आज्ञा देनेपर वह धूम्रलोचन दैत्य साठ हजार असुरोंकी सेनाको साथ लेकर वहाँसे तुरंत चल दिया॥

वहाँ पहुँचकर उसने हिमालयपर रहनेवाली देवीको देखा और ललकारकर कहा- 'अरी! तू शुम्भ-निशुम्भके पास चल। यदि इस समय प्रसन्नतापूर्वक मेरे स्वामीके समीप नहीं चलेगी तो मैं बलपूर्वक झोंटा पकड़कर घसीटते हुए तुझे ले चलूँगा'॥

**देवी बोलीं -॥** तुम्हें दैत्योंके राजाने भेजा है, तुम स्वयं भी बलवान् हो और तुम्हारे साथ विशाल सेना भी है; ऐसी दशामें यदि मुझे बलपूर्वक ले चलोगे तो मैं तुम्हारा क्या कर सकती हूँ?॥

**ऋषि कहते हैं -॥** देवीके यों कहनेपर असुर धूम्रलोचन उनकी ओर दौड़ा, तब अम्बिकाने 'हुं' शब्दके उच्चारणमात्रसे उसे भस्म कर दिया॥ फिर तो क्रोधमें भरी हुई दैत्योंकी विशाल सेना और अम्बिकाने एक-दूसरेपर तीखे सायकों, शक्तियों तथा फरसोंकी वर्षा आरम्भ की॥

इतनेमें ही देवीका वाहन सिंह क्रोधमें भरकर भयंकर गर्जना करके गर्दनके बालोंको हिलाता हुआ असुरोंकी सेनामें कूद पड़ा॥

उसने कुछ दैत्योंको पंजोंकी मारसे, कितनोंको अपने जबड़ोंसे और कितने ही महादैत्योंको पटककर ओठकी दाढ़ोंसे घायल करके मार डाला॥

उस सिंहने अपने नखोंसे कितनोंके पेट फाड़ डाले और थप्पड़ मारकर कितनोंके सिर धड़से अलग कर दिये॥

कितनोंकी भुजाएँ और मस्तक काट डाले तथा अपनी गर्दनके बाल हिलाते हुए उसने दूसरे दैत्योंके पेट फाड़कर उनका रक्त चूस लिया॥

अत्यन्त क्रोधमें भरे हुए देवीके वाहन उस महाबली सिंहने क्षणभरमें ही असुरोंकी सारी सेनाका संहार कर डाला॥

शुम्भने जब सुना कि देवीने धूम्रलोचन असुरको मार डाला तथा उसके सिंहने सारी सेनाका सफाया कर डाला, तब उस दैत्यराजको बड़ा क्रोध हुआ। उसका ओठ काँपने लगा। उसने चण्ड और मुण्ड नामक दो महादैत्योंको आज्ञा दी -॥

'हे चण्ड! और हे मुण्ड! तुमलोग बहुत बड़ी सेना लेकर वहाँ जाओ, उस देवीके झोंटे पकड़कर अथवा उसे बाँधकर शीघ्र यहाँ ले आओ। यदि इस प्रकार उसको लानेमें संदेह हो तो युद्धमें सब प्रकारके अस्त्र-शस्त्रों तथा समस्त आसुरी सेनाका प्रयोग करके उसकी हत्या कर डालना॥

उस दुष्टाकी हत्या होने तथा सिंहके भी मारे जानेपर उस अम्बिकाको बाँधकर साथ ले शीघ्र ही लौट आना'॥

इस प्रकार श्रीमार्कण्डेय पुराण में सावर्णिक मन्वन्तर की कथा के अन्तर्गत

देवी माहात्म्य में 'धूम्रलोचन-वध' नामक छठा अध्याय पूरा हुआ

# ॥Durga Saptashati
# || 'Sixth Chapter' ||

**Chapter 6:**

The Slaying of Dhumralochana

॥ **Dhyana (Meditation)** ॥

I meditate upon the supremely excellent Goddess Padmavati, who resides on the lap of Sarvajneshwara Bhairava. She is seated on the King of Serpents, and her body is illuminated by the great garland of jewels shining on the hoods of the snakes. Her radiance is like the Sun, and she is adorned with three eyes. She holds a garland, a pitcher, a skull, and a lotus in her hands, and the crescent moon adorns her head as a diadem.

**The Rishi said -**॥ Hearing this statement of the Devi, the messenger became very angry and went to the King of the Daityas (demons) and narrated all the news in detail.

Hearing the messenger's words, the King of the Daityas became enraged and spoke to Dhumralochana, the commander of the demon army: "Dhumralochana! Quickly take your army and go there, seize that wicked woman by the hair, and forcibly bring her here, dragging her along.

If anyone stands up to protect her, be it a god, a Yaksha, or a Gandharva, you must certainly kill them."

**The Rishi said -**॥ Upon receiving this command from Shumbha, the demon Dhumralochana immediately set out from there, accompanied by an army of sixty thousand Asuras.

Arriving there, he saw the Devi residing on the Himalaya and challenged her, saying, "O, you! Come with me to Shumbha and Nishumbha. If you do not willingly come to my master now, I will forcibly seize you by the hair and drag you along."

**The Devi replied -**॥ You have been sent by the king of the Daityas, you are powerful yourself, and you have a large army with you; in such a situation, if you take me by force, what can I do to you?

**The Rishi said -**॥ When the Devi said this, the Asura Dhumralochana rushed towards her. Then Ambika incinerated him merely by uttering the sound 'Hum.' Following this, the enraged large army of Daityas and Ambika began to shower sharp arrows, spears, and axes upon each other.

Just then, the Devi's vehicle, the lion, became furious, roared terribly, shook the hair of its neck, and leaped into the army of the Asuras.

It killed some Daityas with the strike of its paws, some with its jaws, and wounded and killed many great Daityas by knocking them down and biting them with the teeth in its lips.

The lion ripped open the bellies of some with its claws and severed the heads of others with a slap.

It cut off the arms and heads of some, and shaking the hair of its neck, it ripped open the bellies of other Daityas and drank their blood.

That mighty lion, the vehicle of the Devi, filled with extreme rage, annihilated the entire army of Asuras in an instant.

When Shumbha heard that the Devi had killed the Asura Dhumralochana and that her lion had wiped out the entire army, the

king of the Daityas became very angry. His lip trembled. He commanded two great Daityas named Chanda and Munda -॥

"O Chanda! and O Munda! Take a very large army and go there. Seize that Devi by the hair or bind her and quickly bring her here. If there is any doubt in bringing her this way, then kill her in battle, using all kinds of weapons, missiles, and the entire Asura army.

After that wicked woman is killed and the lion is also slain, bind that Ambika and quickly return with her."

Thus ends the sixth chapter named 'The Slaying of Dhumralochana' in the Devi Mahatmya, which is a part of the story of the Savarni Manvantara in the Shri Markandeya Purana.

# Numerology By Nehaa

Connect on WhatsApp for Consultation: 8802673153

## Our Services

- Name Correction
- Lo Shu Grid reading
- Missing Number Remedies
- Business Name Correction
- Baby Name Correction
- Kundali Matching
- Lucky Mobile Number
- Lucky House Number
- Lucky Vehicle Number
- Home Vastu
- Office Vastu

## Free Numerology Tools

- Numerology Name Calculator
- Lo Shu Grid Calculator
- Lucky Mobile Number Calculator
- Lucky Vehicle Number Calculator
- Numerology Kundali Matching Tool